भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 3332

उत्तर देने की तारीख- 20.03.2025

आंध्र प्रदेश में वन धन विकास केंद्र

3332. श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डी :

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) : आंध्र प्रदेश में स्वीकृत 4,000 वन धन विकास केंद्रों में से मूल्य संवर्धन कार्यकलापों के लिए स्थापित वन धन विकास केंद्रों (वीडीवीके) की जिलावार संख्या कितनी है;

(ख) : जनजातीय उत्पादों के विपणन के लिए ट्राइफेड जनजातीय कारीगरों को किस हद तक बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज प्रदान कर रहा है;

(ग) : क्या जनजातीय लोगों को अपने उत्पादों को ऑनलाइन बेचने के लिए कोई सहायता/मदद दी गई है;

(घ) : यदि हो, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा ऐसी सहायता/मदद कब से प्रदान की जा रही है; और

(ड.) : गत दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान आंध्र प्रदेश से ऑनलाइन बेचे गए उत्पादों का कुल मूल्य (रूपये में) वर्ष-वार कितना है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क) : आंध्र प्रदेश में वीडीवीके की जिले-वार स्थिति नीचे दी गई है:

क्र. सं.	ज़िला	स्वीकृत वीडीवीके की संख्या
1	एएसआर	16
2	एलुरू	4
3	पूर्वी गोदावरी	166
4	पश्चिमी गोदावरी	15

5	पार्वतीपुरम मन्यम	37
6	श्रीकाकुलम	106
7	कुरनूल	2
8	नांदयाल	10
9	नेल्लोर	1
10	प्रकाशम	1
11	विजयनगरम	32
12	विशाखापत्तनम	98
	कुल	488

(ख) : प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम) योजना के अंतर्गत, ट्राइफेड जनजातीय कारीगरों का पैनल तैयार करता है, उनसे विभिन्न जनजातीय उत्पादों की खरीद करता है और प्राथमिक और द्वितीयक स्तर के प्रसंस्करण की सुविधा के लिए टूलकिट, मशीनरी और प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिससे बैकवर्ड लिंकेज मजबूत होते हैं। यह अपने ट्राइब्स इंडिया आउटलेट्स, ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों और आदि महोत्सव, आदि बाजार आदि प्रदर्शनियों के माध्यम से जनजातीय उत्पादों का खुदरा विपणन करता है, जो खुले बाजार के लिए फॉरवर्ड लिंकेज प्रदान करता है।

(ग) तथा (घ) : ट्राइफेड जनजातीय उत्पादकों और उद्यमियों को डिजिटल वाणिज्य के लिए खुला नेटवर्क (ओएनडीसी) और उनके जनजातीय उत्पादों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लाने के लिए सुविधा प्रदान करता है।

(ङ.) : पिछले दो वर्षों और वर्तमान वर्ष (31.01.2025 तक) के दौरान आंध्र प्रदेश से 16.64 लाख रुपये के उत्पाद ऑनलाइन बेचे गए।

*****